(E)ISSN: 2181-1784

उज़्बेकिस्तान में हिन्दी: दशा और दिशा

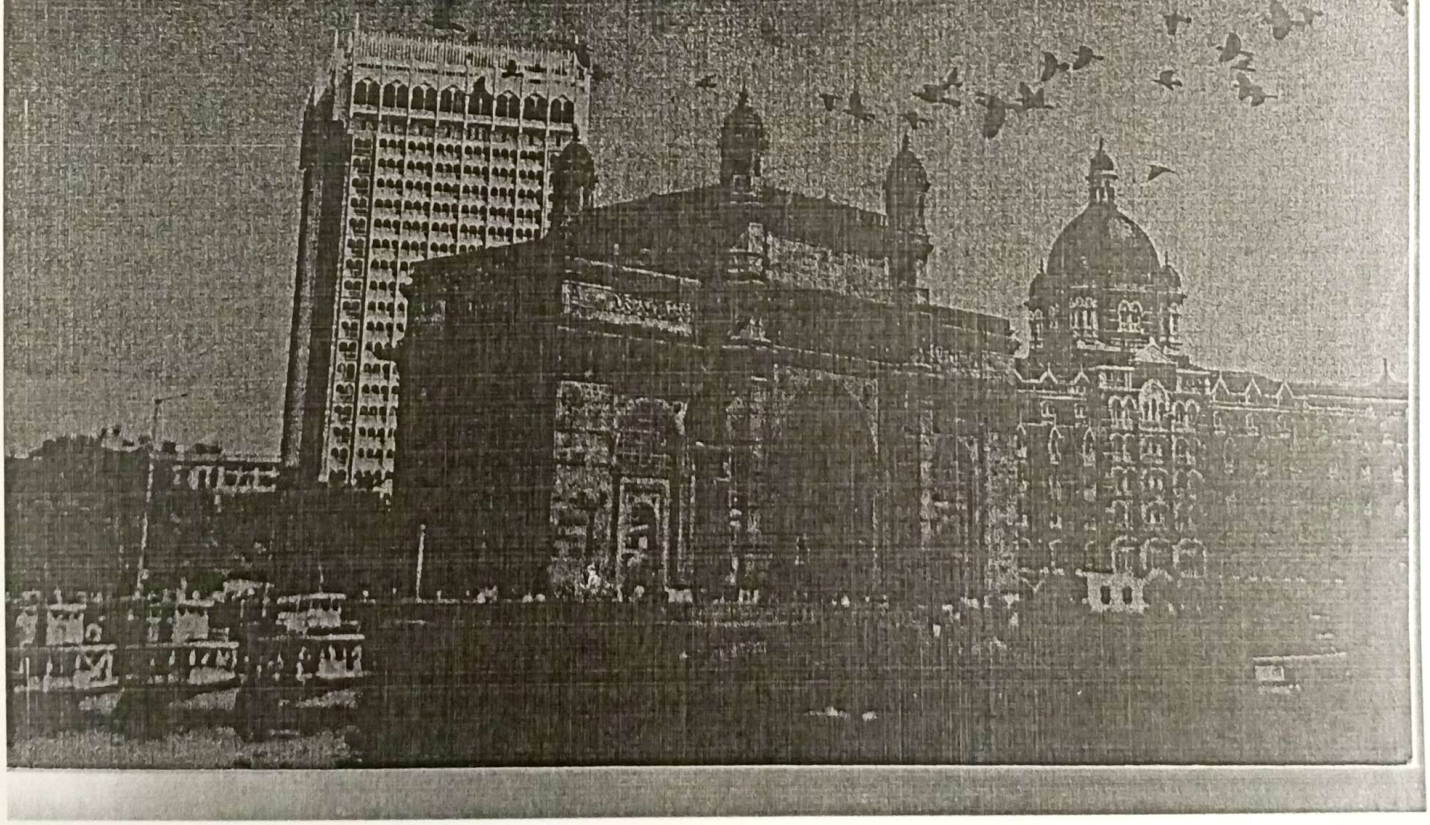

Сканировано с CamScanner

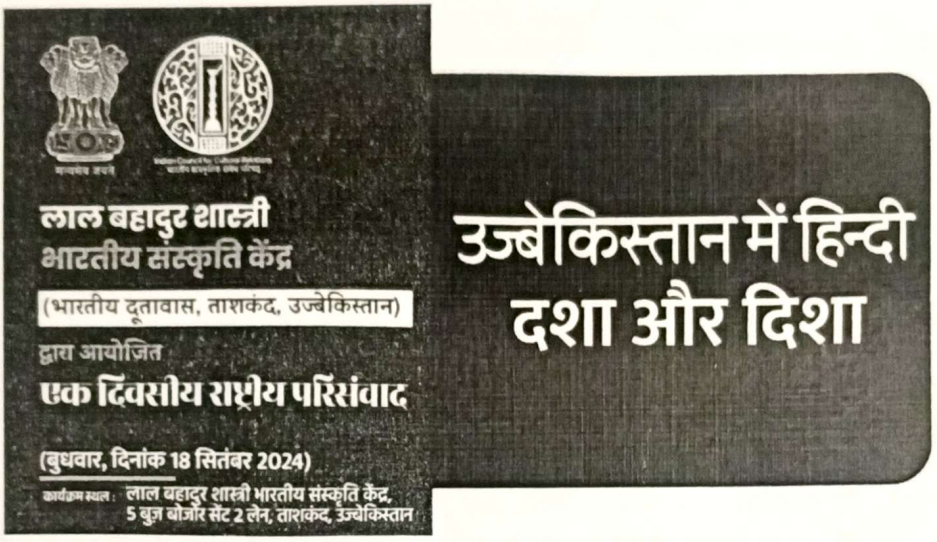

सौजन्य

लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केंद्र
भारतीय दूतावास
5 बुज़ बोजोर सेंट 2 लेन,
ताशकंद, उज्बेकिस्तान

Сканировано с CamScanner

अनुक्रमणिका

1. संपादकीय - डॉ.मनीष कुमार मिश्रा,डॉ.नीलूफ़र खोजाएवा 5-6
2. उज़्बेकिस्तान में हिन्दी -डॉ .गुरमीत सिंह.............. 9-11
3. उज़्बेकिस्तान में भारतीय फिल्मों की लोकप्रियता - डॉ .इन्द्रजीत सिंह 12-15
4. उज़्बेकिस्तान में भारतीय संस्कृति और हिंदी की गूंज-डॉ .जवाहर कर्नावट 16-19
5. भारत उज़्बेकिस्तान के बीच ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंध -नेहा राठी.............. 20-27
6. संस्कृत-फ़ारसी का परस्पर भाषायी एवं साहित्यिक संबंध तथा हिन्दी-उज़्बेक पर फ़ारसी का प्रभाव - राजेश सरकार.............. 28-41
7. उज़्बेकिस्तान में भारत विद्या के विकास का इतिहास- प्रो. उल्फत मुखीबोवा 42-44
8. उज़्बेकी उपन्यासकार अस्कद मुख़्तार -डॉ.मनीषकुमार मिश्रा,डॉ.नीलूफ़र खोजाएवा ... 45-51
9. मध्य-एशिया में प्राचीन भारतीय संस्कृति- डॉ .शिल्पा सिंह 52-62
10. उज़्बेकिस्तान में हिंदी दशा और दिशा - डॉ .विजय पाटिल 63-67
11. भारत और उज़्बेकिस्तान का संबंध -डॉ.उषा आलोक दुबे 64-67
12. भारत और उज़्बेकिस्तान की भविष्य की मित्रता - सृष्टि प्रिया 68-75
13. उज़्बेकिस्तान भारत के बीच मीडिया क्षेत्र में सहयोग - शाहनाजा ताशतेमीरोवा 76- 77
14. हिन्दी भाषा में वाक्यरचनागत पर्यायवाची शब्द (साधारण वाक्यों (simple sentence) के उदाहरण में) - सादिकोवा मौजूदा काबिलोवना 78-82
15. हिन्दी के निपुण विशेषज्ञ : बयात रखमतोव - कमोला अख़मेदोवा 83-86
16. विदेशी भाषा सीखने सिखाने में मातृभाषा का प्रभाव -डा.कमोला रहमतजनोवा 87-90
17. उज़्बेकिस्तान व भारत की सामाजिक परंपराएँ :समानता की भावना -आस्था शर्मा ... 91-98
18. उज़्बेकी साहित्यिक यात्रा :भारतीय नज़रिया - डॉ .अनुराधा शुक्ला 99-104
19. कथक नृत्य के प्रचार-प्रसार में विविध आयोजनों की भूमिका -निकिता 105-111
20. उज़्बेकिस्तान में भारतीय फिल्में - अखमदजान कासीमोव.............. 112-114
21. उज़्बेकिस्तान में हिन्दी अध्ययन अध्यापन की समस्याएँ- डॉ.सिराजूद्दीन नुर्मातोव...... 115-117
22. हिन्दी पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन -युनूसोवा आदोलत 118-117
23. उज़्बेकिस्तान के इतिहास में भारतीय मूल निवासी – बयोत रहमतोव.............. 118-126
24. "देवियों के व्युत्पत्ति संबंधी विश्लेषण की समस्या पर - सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा - जियाज़ोवा बेरनोरा मंसूरोवना 127-130

Сканировано с CamScanner

(E)ISSN: 2181-1784
4(22), Sep., 2024
www.oriens.uz

विदेशी भाषा सीखने और सिखाने में मातृभाषा का प्रभाव
(उज़्बेकी में हिंदी सीखने के उदाहरण के रूप में)

https://doi.org/10.5281/zenodo.13765635

डा० कमोला रहमतजनोवा
सैद्धांतिक और व्यावहारिक भाषाविज्ञान विभाग,
ताशकंद राज्य प्राच्या विद्या विश्वविद्यालय,
ताशकंद, उज़्बेकिस्तान

आज कल विदेशी भाषा सीखना बहुत आवश्यक है।एक नई भाषा सीखने सेलोगोंको दूसरों की बात बेहतर तरीके से समझने और जवाब देने का तरीका सीखने में मदद मिलती है। विदेशी भाषा सीखने का दस से ज्यादा कारण है:

- संवर्धित संचार कौशल - एक नई भाषा सीखने से आपको यह सीखने में मदद मिलती है कि दूसरों को कैसे बेहतर ढंग से सुनना और प्रतिक्रिया देना है। यह आपको सामाजिक संकेतों, संदर्भों और शारीरिक भाषा पर ध्यान देना सीखने में मदद करता है।

- कैरियर के अवसर - हाल के शोध से पता चलता है कि द्विभाषी कर्मचारी केवल एक भाषा बोलने वालों की तुलना में प्रति घंटे 5% से 20% अधिक पैसा कमा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, द्विभाषी कर्मचारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय अवसर खुलते हैं।

- सांस्कृतिक संवर्धन - एक नई भाषा सीखना व्यक्तियों को इतिहास, राजनीति और संस्कृतियों के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करता है। भाषा का अध्ययन व्यक्तियों को उन गतिविधियों में संलग्न होने के लिए भी प्रोत्साहित करता है जिन्हें वे अन्यथा कभी नहीं खोज पाते। शिक्षा के अवसर - विशेष शैक्षिक अवसरों (विदेश में अध्ययन, कार्यशालाओं के लिए चयन, छात्रवृत्ति आदि) में भाग लेने के लिए अक्सर द्विभाषी व्यक्तियों को एकभाषी व्यक्तियों के स्थान पर चुना जाता है।

- संज्ञानात्मक लाभ - द्विभाषी लोगों में अक्सर एकभाषी समकक्षों की तुलना में बेहतर ध्यान और कार्य-परिवर्तन क्षमता होती है। वे अधिक रचनात्मक भी हो सकते हैं, बेहतर धातु-भाषा संबंधी जागरूकता रखते हैं, और दृश्य-स्थानिक कौशल विकसित करने में बेहतर हो सकते हैं।

- सामाजिक संबंध - जो लोग एक से अधिक भाषाएँ बोलते हैं उनमें स्वतः ही अधिक लोगों से जुड़ने की क्षमता आ जाती है। सामाजिक संबंध बनाने से एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ व्यावसायिक और सामुदायिक संबंध बनते हैं।

Сканировано с CamScanner

(E)ISSN: 2181-1784
4(22), Sep., 2024
www.oriens.uz

- यात्रा और अन्वेषण - नई भाषा सीखने से अक्सर यात्रा में रुचि बढ़ती है। भाषा सीखने वाले अक्सर दूर-दराज के स्थानों की यात्रा करना चाहते हैं ताकि उन्हें और वहां रहने वाले लोगों को और अधिक व्यक्तिगत रूप से जान सकें।

- व्यक्तिगत विकास - एक नई भाषा सीखना चुनौतीपूर्ण है, जिससे शिक्षार्थियों को अपनी ताकत, कमजोरियों और वे कैसे सीखते हैं, इस पर फिर से विचार करना पड़ता है। भाषा अध्ययन छात्रों को नई रुचियाँ विकसित करने में भी मदद करता है।

- व्यक्तिगत रुचि - भाषा का अध्ययन अक्सर शिक्षार्थियों को भोजन और वित्त से लेकर कला, राजनीति और नृत्य तक हर चीज़ में नई रुचियों की खोज करने के लिए प्रेरित करता है।

- भाषाई शक्ति - किसी के साथ उसकी भाषा में संवाद करने की क्षमता शक्तिशाली है। यह दूसरों की समझ और दुनिया को अपने दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि दूसरे के दृष्टिकोण से देखने की इच्छा को प्रदर्शित करता है। तोविदेशी भाषा सीखने के कई फायदे हैं। हालाँकि, किसी अन्य भाषा को सीखना, समझना, बोलना, अपने विचारों को व्यक्त करना कोई आसान प्रक्रिया नहीं है।

लोगोंमें दूसरी भाषा सीखने पर मातृभाषा का प्रभाव महत्वपूर्ण है। मातृभाषा का प्रभाव किसी व्यक्ति की विचार प्रक्रिया और लक्ष्य भाषा में उच्चारण को प्रभावित कर सकता है। इससे बोलने और व्याकरण में कठिनाई हो सकती है, और प्रभावी संचार और शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा आ सकती है। मातृभाषा का हस्तक्षेप अन्य भाषाओं में व्याकरण की निपुणता में भी बाधा उत्पन्न कर सकता है। हालाँकि, बचपन की कक्षाओं में मातृभाषा का उपयोग बच्चों की सीखने की क्षमताओं को बढ़ावा देने में प्रभावी पाया गया है। कुल मिलाकर, मातृभाषा बच्चे के भाषा सीखने के अनुभव को आकार देने में भूमिका निभाती है और उनकी दूसरी भाषा सीखने पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ सकते हैं।किसी विदेशी भाषा को सीखने पर मातृभाषा के प्रभाव को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है: हस्तक्षेप(interference) और सुविधा (facility)।

भाषाई हस्तक्षेप (linguistic interference) तब होता है जब एक भाषा दूसरे के उपयोग को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो अंग्रेजी बोलता है लेकिन फिर हिंदी और फ्रेंच सीखता है, वह फ्रेंच बोलते समय गलत तरीके से हिंदी शब्दों और व्याकरण का उपयोग कर सकता है।

सुविधा (facility) - किसी विदेशी भाषा को सीखते समय उस भाषा के नियम और शब्द मूल भाषा के समान होते हैं, सीखने वाले के पास भाषा सीखने के अधिक अवसर होते हैं। भाषा विज्ञान में इस घटना को सुविधा कहा जाता है।

उज्बेकिस्तान में हिंदी एक विदेशी भाषा के रूप में व्यापक रूप से पढ़ाई जाती है।स्पष्ट है किभारत और उज्बेकिस्तान के बीच कई समानताएं हैं।यहां तक कि दोनों देशों की भाषाएं भी एक-दूसरे के काफी करीब लगती हैं।हालाँकि, यह केवल बाहर से है।क्योंकि हिंदी भाषा इंडो-आर्यन भाषाओं से संबंधित है, और उज़्बेकी भाषा तुर्क भाषा परिवार से संबंधित है।रूपात्मक

Сканировано с CamScanner

(morphological) दृष्टि से ये दोनों भाषाएँ एक ही समूह की नहीं हैं। हिंदी विभक्ति (inflectional) भाषा समूह की विश्लेषणात्मक (analytical) भाषाओं से संबंधित है, जबकि उज़्बेक एक संश्लेषात्मक (agglutinative) भाषा है।स्पष्ट है कि विदेशी भाषाएँ सीखने में मुख्य बाधा अध्ययन की जा रही भाषाओं की संरचना पर निर्भर करती है।भाषाएँ मुख्य रूप से उनकी ध्वन्यात्मक (phonetic), रूपात्मक (morphological), शाब्दिक (lexicon) और वाक्यात्मक (syntactic) विशेषताओं के अनुसार भिन्न होती है।

हिंदी और उज़्बेकी के बीच ध्वन्यात्मकता से लेकर वाक्य रचना तक कई अंतर हैं। ये अंतर उन लोगों के लिए हिंदी सीखना कठिन बना देते हैं जिनकी मातृभाषा उज़्बेकी है।उदाहरण के लिए, उज़्बेकी वर्णमाला में 29 अक्षर हैं और उनका उच्चारण सामान्य रूप से किया जाता है।तथा हिन्दी में 50 से अधिक अक्षर हैं, जो व्यंजन मेमस्तिष्कात्मक (cerebral), श्वासात्मक (respiratory) तथा स्वरों को छोटा तथा लंबा स्वरों में विभाजित किया गया है। हालाँकि, हिंदी में अक्षर शब्दांश (syllable) वर्णमाला हैं। हिंदी में स्वरों का उच्चारण उज़्बेकीकी तरह नहीं किया जाता है। उदाहरण के लिए, उज़्बेकी में 'a' अक्षर का उच्चारण हिंदी में दो तरह से किया जाता है, छोटा 'अ' और लंबा'आ'।इसके अलावा, उज़्बेकी में कोई अर्ध-स्वर (semitone) अक्षर नहीं हैजैसे हिंदी में 'ऋ'।

हिन्दी व्यंजन प्रणाली की भी अनेक विशेषताएँ हैं। उज़्बेकी भाषा में ऐसी विशेषताएँ नहीं पाई जातीं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण मस्तिष्कात्मक (cerebral) और श्वासात्मक (respiratory)ध्वनियाँ हैं। उदाहरण के लिए, 'खा', 'घ', 'ध', 'फ', 'भ' जैसी ध्वनियाँ उज़्बेकी भाषा में नहीं पाई जाती हैं, और मूल उज़्बेकी शिक्षार्थियों को उनका उच्चारण करना बहुत कठिन लगता है।

इन दोनों भाषाओंमें कई रूपात्मक समानताएँ और भिन्नताएँ भी हैं।उदाहरण के लिए, दोनों भाषाओं में शब्द समूह और व्याकरणिक श्रेणियाँ समान हैं। परहिंदी में व्याकरणिक श्रेणियों की लिंग श्रेणी की अनुपस्थिति इस भाषा को सीखने में बड़ी कठिनाई पैदा करती हैक्योंकि उज़्बेकी में लिंग व्याकरणिक श्रेणी नहीं है।और उज़्बेक भाषा में अधिकारवाचक (possessive)श्रेणी है, हिंदी में यह श्रेणी नहीं है और वह जो अर्थ व्यक्त करती है वह अधिकारवाचक सर्वनाम के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। उदाहरण के लिए, हिंदी में यह 'मेरी किताब', लेकिन उज़्बेकीमें यह 'kitobim'।

इन दोनों भाषाओं में रूप और अर्थ में कई समान शब्द हैं।उदाहरण के लिए, 'मुहब्बत', 'दोस्त', 'किताब', 'नान', 'कबाब', 'चाय' और आदि।बाह्य दृष्टि से दोनोंभाषाओं के शब्दकोष में कई शब्द समान प्रतीत होते हैं, लेकिन वे शब्दार्थ की दृष्टि से भिन्न होते हैं। जैसे हिंदी में 'तकलीफ करना' - दुःख, कष्ट, विपत्ति, संकट (जैसे–तक़लीफ़ में परेशान होना)।उज़्बेकी में भी 'taklif' शब्द है। पर इसका अर्थ 'निमंत्रण करना'।हिंदी में 'ज़ोर' शब्द है। उदाहरण के लिए 'ज़ोर से बोलना' - आप किसी को धीमे बोलते हैं। लेकिन वह नहीं सुनता, तब आप उसको ऊंचे आवाज़ से बोलते है।उज़्बेकीभाषा में भी"zor" शब्द है।परउसका अर्थ 'शाबाश' है।उसका प्रयोग अच्छे काम करने वाले और धन्य होने के लिए किया जाता है।

Сканировано с CamScanner

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यद्यपि दोनों भाषाएँ वाक्यात्मक रूप से समान हैं, कुछ क्रिया-विशिष्ट विशेषताएँ दोनों भाषाओं को अलग करती हैं।उदाहरण के लिए,हिंदी में'हम प्रतिदिन विश्वविद्यालय बस से जाते हैं'और'आप प्रतिदिन विश्वविद्यालय बस से जाते हैं'।देख सकते हैं की संज्ञा क्रिया से संबंधित है। संज्ञा से हम क्रिया को जानते हैं। हालाँकि, उज़्बेकी में, वाक्य का संज्ञा हमेशा क्रिया के माध्यम से जाना जाता है: 'Har kuni universitetga avtobusda boramiz (biz)', 'Har kuni universitetga avtobusda borasiz (siz)'.

उपरिलिखितदेख सकते हैं किजिनकी मातृभाषा उज़्बेक है उनके लिए हिंदी सीखना इतना आसान नहीं है।भले ही हिंदी सीखना उन लोगों के लिए आसान लगता है जिनकी मातृभाषा उज़्बेक है, वास्तव में, इन भाषाओं की आंतरिक विशेषताओं के आधार पर यह एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है। यह विशेष रूप से उच्चारण के मामले में स्पष्ट है।इसके अलावा, हमने ऊपर रूपात्मक, शाब्दिक और वाक्यात्मक बाधाओं पर विचार कियाहै।हिंदी सीखने में मातृभाषा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण के लिए भारत जाना और देशी भाषियों से बातचीत करना जरूरी है।साथ साथसामान्य भाषा विज्ञान और अपनी मातृभाषा से संबंधित नियमों का अच्छा अध्ययन विदेशी भाषा को आसानी से और जल्दी सीखने में मदद करता है।

संदर्भ सूची

1. Irisqulov M. Tilshunoslikka kirish. - T.: O'qituvchi, 1992. - B. 256.
2. रामराजपल निवेदी ददल्ली - शब्दकोश व्याकरण निन्दी -, 2000. - पृ० 134.
3. Colin P. Masica the Indo-Aryan Languages, Cambridge, Cambridge University, 1991. - P. 553.
4. Suraj Bhan Singh A syntactic grammar of Hindi, Delhi, Bhanu printers, 2012. - P. 263.
5. https://www.ithaca.edu/
6. https://t.me/yorqinjonodilov

Сканировано с CamScanner